

प्राचार्य का अभिभावकों को स्नेहाभिवादन

प्रिय अभिभावक,

नमस्ते !

पिछले कई महीनों / सालों से आपके बच्चों की देखभाल करने में अच्छा लगा। आपने गौर किया होगा कि उन्हें स्कूल आना बहुत अच्छा लगता है। अगला एक महीना उनके प्राकृतिक संरक्षक यानी आप उनके साथ छुट्टियां बिताएं। हम आपको कुछ सलाह दे रहे हैं जिससे ये समय उनके लिए उपयोगी और खुशनुमा साबित हो।

1) अपने बच्चों के साथ कम से कम दो बार खाना जरूर खाएं, उन्हें किसानों के महत्व और उनके कठिन परिश्रम के बारे में बताएं, और उन्हें बताएं कि अपना खाना व्यर्थ न करें।

2) खाने के बाद उन्हें प्लेटें खुद धोने दें, अपने साथ खाना बनाने में मदद करने दें, इस तरह के कार्यों से बच्चे मेहनत की कीमत समझेंगे।

3) दादा-दादी / नाना-नानी के घर जाएं, पड़ोसियों के घर जाएं और उन्हें बच्चों के साथ घुलने मिलने दें, उनका प्यार और भावनात्मक सहारा आपके बच्चों के लिए बहुत जरूरी है। उनके साथ तस्वीरें लें, लोकगीत सुनाएँ।

4) उन्हें अपने कार्य क्षेत्र की जगह पर लेकर जाएं जिससे वो समझ सकें कि आप परिवार के लिए कितनी मेहनत करते हैं।

5) अपने बच्चों को शाक वाटिका बनाने के लिए बीज बोने के लिए प्रेरित करें। पेड़ - पौधों के बारे में जानकारी होना भी आपके बच्चे के विकास के लिए जरूरी है।

6) अपने बचपन और अपने परिवार के इतिहास के बारे में बच्चों को बताएं।

7) अपने बच्चों को स्कूल के कार्यों, स्थानीय प्रशासन द्वारा प्राप्त उपलब्धियों और सरकार द्वारा जनहित में किए कार्यों से अवगत करवाएँ, ताकि उनमें सकारात्मक शक्ति का संचार हो और वे भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित हों।

8) अपने बच्चों को बाहर जाकर खेलने दें, चोट लगने दें, गंदा होने दें। कभी-कभार गिरना और दर्द सहना उनके लिए अच्छा है। सोफे के कुशन जैसी आराम की जिंदगी आपके बच्चों को आलसी बना देगी।

9) जीव जगत की सेवा हेतु विशेषकर गर्मियों के मौसम में पशु एवं पक्षियों के लिए अपने घरों की छत पर, आँगन, बाग आदि में खाली पड़े डिब्बो, बर्तनों में पानी और भोजन भर कर रखें।

10) अपने बच्चों के लिए मूल्य शिक्षा प्रद पुस्तकें जैसे पंचतंत्र, उपन्यास आदि लेकर दें।

11) उन्हें चॉकलेट्स, जैली, क्रीम केक, चिप्स, गैस वाले पेय पदार्थ और पफ्स जैसे बेक्री उत्पाद और समोसे जैसे तले हुए खाद्य पदार्थ देने से बचें।

12) अपने बच्चों की आंखों में देखें और ईश्वर को धन्यवाद दें कि उन्होंने इतना अच्छा तोहफा आपको दिया। अब से आने वाले कुछ सालों में वो नई ऊँचाइयों पर होंगे।

13) अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक करवाने के लिए अपने बच्चों को घर, गली मोहल्लों की सफाई आदि विभिन्न सामाजिक कार्य करने के लिए प्रेरित करें।

14) 21 जून को विद्यालय परिसर में आयोजित होने वाले "योग दिवस" समारोह में स्वयं भाग लें और अपने बच्चों को भी भाग लेने के लिए प्रेरित करें, जिसका समय विद्यालय ने प्रातः 6 बजे से 7 बजे तक रखा है।

15) भाषा स्पष्टता हेतु अपने बच्चों से शुद्ध हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में बात करें तथा उन्हें किसी एक भाषा को सम्यक रूप से जानने एवं बोलने के लिए प्रेरित करें।

माता-पिता होने के नाते ये जरूरी है कि आप अपना समय बच्चों को दें।

प्राचार्य